लोक सभा अध्यक्ष ने हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 01 सितंबर, 2014 : माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज जीएमसी बालयोगी सभागार, संसदीय ज्ञानपीठ में लोक सभा सचिवालय में हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हिंदी भारतीय जनमानस की बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह सामान्य जन की भाषा है। हमें हिंदी भाषा का अपने प्रत्येक कार्यक्षेत्र में अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। हिंदी भाषा को अधिक व्यापक बनाने के लिए हमें अपने व्यवहार तथा कार्यों में हिंदी के सरल एवं सुगम शब्दों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यदि हम अपने विचार और कार्य अपनी मातृभाषा में करेंगे तो वह अधिक ग्राह्य व उच्च कोटि का होगा क्योंकि मातृभाषा में कार्य करने से मनुष्य का स्वभाव व उसका चरित्र प्रकट होता है।

लोक सभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित संसदीय मंजूषा के नए संस्करण का विमोचन करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि इस पत्रिका में लोक सभा के कार्यवाही वृतान्त से व्यंग्य व विनोदपूर्ण अंश भी सम्मिलित किए जाने चाहिए। उन्होंने लोक सभा अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी यह अपेक्षा की कि वे सभा की कार्यवाही के रोचक, विनोदपूर्ण व प्रेरक प्रसंगों को प्रत्यक्ष श्रोता के रूप में इस पत्रिका में प्रकाशनार्थ भेजें, जिससे यह पत्रिका और भी उपयोगी हो सके।

कार्यालयों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल देते हुए श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि हिंदी में मूल रूप से कार्य करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने सरल शब्दों के प्रयोग व आवश्यक होने पर अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को देवनागरी लिपि में लिखकर भी प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने अंग्रेजी रूपान्तर के कारण आने वाले कठिन शब्दों के प्रयोग से बचने का आग्रह किया। श्रीमती महाजन ने आगे कहा कि संसदीय व अन्य शिष्टमंडलों के स्तर पर हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए उनसे मुलाकात के दौरान हिंदी भाषान्तरकारों की सेवाएँ ली जानी चाहिए।

इस अवसर पर लोक सभा सचिवालय के महासचिव ने अपने स्वागत भाषण में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभाषा प्रभाग द्वारा लोक सभा में 1 से 15 सितंबर 2014 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सुलेख, हिंदी टंकण, हिंदी तथा संसदीय ज्ञान प्रतियोगिता, निबंध, वाद-विवाद, स्वरचित कविता पाठ इत्यादि का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर लोक सभा की संपादन एवं अनुवाद सेवा के प्रभारी संयुक्त सचिव, श्री आर.के. जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।